हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें

Web:- www.jokhimnews.com

सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "ए" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 17 अंक : 09 | देहरादून शुक्रवार 03 अप्रैल 2026 | मूल्य :रू 2 | पृष्ठ : 8

प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है राज्य सरकार : मुख्यमंत्री

चारधाम यात्रा को और सशक्त बनाने पर दिया जा रहा है ध्यान : मुख्यमंत्री

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरूवार को रामनगर के छोई स्थित हनुमान धाम में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए कहा कि यहां उपस्थित प्रत्येक श्रद्धालु पर बजरंगबली की विशेष कृपा है, क्योंकि उनकी इच्छा के बिना कोई भी उनके दरबार तक नहीं पहुंच सकता।मुख्यमंत्री ने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए कहा कि कई बार उन्होंने यहां आने का प्रयास किया, लेकिन कार्यक्रम नहीं बन पाया। इस बार बजरंगबली की कृपा से अचानक कार्यक्रम तय हुआ और उन्हें दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना करते हुए ईश्वर से सभी पर अपनी कृपा बनाए रखने की प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुए ऐतिहासिक कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा

कि वर्षों के इंतजार के बाद अयोध्या में राम मंदिर का भव्य निर्माण हुआ है। वहीं काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण से श्रद्धालुओं को अभूतपूर्व सुविधाएं प्राप्त हुई हैं। साथ ही केदारनाथ धाम और बद्रीनाथ धाम में भी व्यापक विकास कार्य किए जा रहे हैं, जिससे उत्तराखंड की पहचान और अधिक सशक्त हुई है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि है और यहां की आस्था एवं सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से राज्य में सख्त कानून लागू किए जा रहे हैं तथा धार्मिक सौहार्द बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तराखंड देश का पहला राज्य बन चुका है, जहां समान नागरिक संहिता लागू की गई है, जो पूरे देश के लिए एक उदाहरण है।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी के सहयोग और आशीर्वाद से यह संकल्प अवश्य पूर्ण होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के प्रमुख धार्मिक स्थलों केदारखंड और मानसखंड सहित अन्य स्थलों के सौंदर्यीकरण एवं आधारभूत संरचना विकास के कार्य लगातार जारी हैं। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप राज्य में हर वर्ष श्रद्धालुओं और तीर्थयात्रियों की संख्या में वृद्धि हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी कुंभ केवल उत्तराखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश की आस्था का विषय है, वर्ष 2027 में प्रस्तावित कुंभ मेले की तैयारियां अभी से प्रारंभ कर दी गई हैं। प्रदेश में शीतकालीन यात्रा भी निरंतर संचालित हो रही है और चारधाम के कपाट खुलने तक जारी रहेगी। अब तक लगभग एक लाख साठ हजार श्रद्धालु शीतकालीन यात्रा के दौरान विभिन्न धार्मिक स्थलों पर दर्शन कर चुके हैं। आगामी चारधाम यात्रा की व्यवस्थाओं की भी व्यापक तैयारियां आरम्भ की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शीतकाल में भी बड़ी संख्या में पर्यटक एवं श्रद्धालु उत्तराखंड पहुंच रहे हैं, जो राज्य में धार्मिक पर्यटन के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। सरकार का लक्ष्य धार्मिक पर्यटन को और अधिक सशक्त करना है, ताकि उत्तराखंड की पहचान वैश्विक स्तर पर और मजबूत हो सके।

उपनल आउटसोर्स कार्मिकों के लिए पारदर्शी अनुबंध व्यवस्था सुनिश्चित करेगा शासन

देहरादून(संवाददाता)। उत्तराखंड शासन के कार्मिक एवं सतर्कता अनुभाग द्वारा राज्य के विभिन्न विभागों में उपनल (न्छस्) के माध्यम से कार्यरत आउटसोर्स कार्मिकों के संबंध में शासन ने सभी विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए अनुबंध (एग्रीमेंट) की स्पष्ट एवं पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। संयुक्त सचिव राजेन्द्र सिंह पतियाल द्वारा जारी पत्र में बताया गया है कि यह कदम माननीय उच्च न्यायालय, उत्तराखंड, नैनीताल के निर्देशों के अनुपालन में उठाया गया है। न्यायालय द्वारा पूर्व में पारित आदेशों के अनुरूप यह सुनिश्चित किया जा रहा है।

प्रेस क्लब हरिद्वार के नवनिर्वाचित कार्यकारणी के शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे मुख्य सचिव

हरिद्वार(संवाददाता)। जनपद भ्रमण पर पहुंचे प्रदेश के मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने गुरुवार को प्रेस क्लब हरिद्वार की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी और महासचिव सूर्यकांत बेलवाल को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। विशिष्ट अतिथि निरंजनी अखाड़े के सचिव श्रीमहंत रविंद्र पूरी महाराज ने उपाध्यक्ष दीपक मिश्रा, देवेंद्र शर्मा, सचिव कुलभूषण शर्मा, जोगेंद्र सिंह मावी, सांस्कृतिक सचिव महताब आलम, प्रचार सचिव तनवीर अली और कोषाध्यक्ष काशीराम सैनी को शपथ दिलाई।जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने संजीव शर्मा, डॉ. शिवा अग्रवाल, कुमार दुष्यंत, ठाकुर शैलेंद्र सिंह, श्रीमती कुमकुम शर्मा, श्रीमती सुदेश आर्य, बालकृष्ण शास्त्री, के.के. पालीवाल, अमित कुमार शर्मा, ललितेंद्र नाथ, रोहित सिखौला, विकास चौहान, नरेश दीवान शैली, आफताब खान और शिव प्रकाश शिव सहित अन्य सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।मुख्य सचिव ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि प्रेस लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, जो समाज के हित में कार्य करता है। उन्होंने कहा कि प्रेस प्रतिनिधि जमीन से जुड़े होते हैं और उनकी जानकारी आमजन की समस्याओं के समाधान में सहायक होती है। शासन-प्रशासन और प्रेस का उद्देश्य नागरिकों का जीवन खुशहाल बनाना है, जिसके लिए आपसी समन्वय आवश्यक है। उन्होंने इंटरनेट और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव का उल्लेख करते हुए समाचार की सत्यता और जिम्मेदारी पर बल दिया। साथ ही उन्होंने 2027 के कुंभ मेले को दिव्य एवं भव्य बनाने के संकल्प को दोहराया।विशिष्ट अतिथि श्रीमहंत रविंद्र पूरी महाराज ने भी नवनिर्वाचित सदस्यों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि 2027 का कुंभ मुख्य सचिव के नेतृत्व में दिव्य एवं भव्य ढंग से आयोजित होगा। अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी और महासचिव सूर्यकांत बेलवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत कर आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम में मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, श्रीमहंत रविंद्र पूरी महाराज, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर को स्मृति चिन्ह एवं शॉल भेंटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अनेक प्रेस प्रतिनिधि और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार...

नर्सिंग एकता मंच की छवि धूमिल करने की कोशिश, पुलिस से शिकायत

देहरादून(संवाददाता)। नर्सिंग एकता मंच की छवि बिगाड़ने और सोशल मीडिया पर भ्रामक प्रचार करने वालों के खिलाफ संगठन ने मोर्चा खोल दिया है। मंच के संयोजक नवल पुंडीर की अगुवाई में प्रतिनिधियों ने एसपी सिटी प्रमोद कुमार को ज्ञापन सौंपकर सख्त कार्रवाई की मांग की। शिकायत में कहा गया कि कुछ फर्जी आईडी और शरारती तत्वों द्वारा सोशल मीडिया पर भ्रामक बयान और अफवाहें फैलाई जा रही हैं, जिससे नर्सिंग प्रोफेशन की गरिमा को ठेस पहुंच रही है। मंच ने पुलिस से इन असामाजिक तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कदम उठाने का अनुरोध किया है। संगठन ने स्पष्ट किया कि नर्सिंग समुदाय के सम्मान से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

हज यात्रियों का मेडिकल परीक्षण और टीकाकरण पूरा

देहरादून(संवाददाता)। कोरोनेशन अस्पताल में चल रहे हज यात्रियों के मेडिकल परीक्षण एवं टीकाकरण शिविर का गुरुवार को समापन हो गया। शिविर में 447 हज यात्रियों का परीक्षण एवं टीकाकरण किया गया। एसीएमओ डॉ. दिनेश चौहान ने बताया कि यात्रियों की सभी खून की जांचें, कोविड टेस्ट एवं विभिन्न डॉक्टरों के परामर्श के बाद टीकाकरण किया गया है। हज कमेटी अध्यक्ष खतीब अहमद एवं सीएमओ डॉ. मनोज शर्मा ने टीम को बधाई दी। हज इंस्पेक्टर तारिक हुसैन अनवर, एचएसआई शकील अहमद, एडीआईओ वाईडी थपलियाल, पीआरओ प्रमोद पंवार, शाहिद अली, अब्दुल कादिर आदि मौजूद रहे।

हिन्दी दैनिक जोखिम

संपादकीय

अतार्किक एवं दुर्भावना से प्रेरित

जिस दौर में ये शिकायत पहले से है कि कुछ कानूनी एवं अन्य विवादित मसलों का इस्तेमाल व्यापार एवं विदेश नीति में भारत सरकार को झुकाने के लिए किया गया है, ताजा रिपोर्ट डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन का एक और हथियार बन सकती है।अमेरिका का अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (यूएससीआईआरएफ) वैसे तो पिछले कई वर्ष भारत को श्विशेष चिंता की श्रेणी वाले देशोंश् की सूची में डालने की सिफारिश करता रहा है, लेकिन इस वर्ष वह कुछ ज्यादा आगे बढ़ गया है। उसने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ-साथ भारत की बाहरी खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) पर भी प्रतिबंध लगाने की सिपारिश कर दी है। अनुमान लगाया जा सकता है कि पहले की तरह ही इस वर्ष भी अमेरिका सरकार इस सिफारिश को नजरअंदाज कर देगी। इसके बावजूद भारत को अमेरिका में उभरे ऐसे रुझानों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इसलिए कि अमेरिका में प्रशासन चाहे किसी पार्टी का हो, ऐसी रिपोर्टों का इस्तेमाल वह अपने रणनीतिक एवं अन्य हितों को साधने के लिए करता है।धार्मिक स्वतंत्रता, लोकतंत्र, मानव अधिकार आदि जैसे ऊंचे आदर्श अमेरिका के लिए डंडे की तरह हैं, जिनका उपयोग वह अपने मन-माफिक ना चलने वाले देशों पर दबाव बनाने के लिए करता आया है। इस रूप में यूएससीआईआरएफ जैसी उसकी संस्थाएं एक ऐसा हथकंडा हैं, जो दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में दखल के लिए अपनी सरकार को उसूल का आवरण प्रदान करती हैं। जिस दौर में ये शिकायत पहले से है कि कुछ कानूनी एवं अन्य विवादित मसलों का इस्तेमाल व्यापार एवं विदेश नीति में भारत सरकार को झुकाने के लिए किया गया है, ताजा रिपोर्ट डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन का एक और हथियार बन सकती है।भारतीय विदेश मंत्रालय ने रिपोर्ट को पूर्वाग्रह-ग्रस्त और तथ्यात्मक रूप से गलत बताया है, मगर यह विरोध की रस्म-अदायगी भर है। भारतीय हितों के लिहाज से रॉ को विवाद में लाने के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। इसलिए इस बारे में भारत को अमेरिका के सामने औपचारिक विरोध दर्ज कराना चाहिए। यह कहने का तात्पर्य ये नहीं है कि जिन संगठनों को यूएससीआईआरएफ को निशाना बनाया है, उसके साथ कोई समस्या नहीं है। मगर जो भी है, वह भारत के अंदर की बात है। वह भारत सरकार के सामने मौजूद मुद्दा है। इसका समाधान यहीं निकलेगा।

भारत के लिए एक कठिन परीक्षा की घड़ी

अजीत द्विवेदी

ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमले में भारत पक्षकार नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युद्ध शुरू होने से दो दिन पहले जरूर इजराइल की यात्रा पर गए थे। लेकिन भारत इस सैन्य अभियान का हिस्सा नहीं है। इसके बावजूद इस युद्ध का बड़ा असर भारत के ऊपर होगा। भारत की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा दोनों पर व्यापक असर होगा तो साथ ही खाड़ी देशों में काम करने वाले भारतीय कामगारों और पेशेवरों द्वारा भेजे जाने वाले रेमिटेंसेज यानी उनके पैसे पर भी असर होगा। इसके अलावा भारत की कूटनीति और सामरिक नीति भी प्रभावित होगी। सवाल है कि क्या भारत इस युद्ध की संभावना को देख रहा था और उसके असर से निपटने की कोई तैयारी हुई थी? दोनों का जवाब नकारात्मक है। अगर भारत युद्ध की वास्तविक संभावना देख रहा होता तो प्रधानमंत्री मोदी इजराइल की यात्रा पर नहीं जाते। जब युद्ध की संभावना नहीं दिख रही थी तो जाहिर है कोई तैयारी भी नहीं होगी।ध्यान रहे भारत किसी सैन्य गठजोड़ का हिस्सा नहीं है और इजराइल के साथ साथ ईरान से भी पारंपरिक रूप से भारत के संबंध अच्छे रहे हैं। इसलिए भारत के लिए यह एक कठिन परीक्षा की घड़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात की है। ईरान द्वारा सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात पर किए जा रहे हमले को लेकर भी भारत ने चिंता जताई है और इसकी आलोचना की है। लेकिन ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई की मौत पर भारत की चुप्पी से इसकी रणनीतिक स्वायत्तता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी हमेशा कहते रहे हैं कि यह युद्ध का समय नहीं है। रूस और यूक्रेन युद्ध में उन्होंने कई बार यह बात कही है। लेकिन इजराइल और अमेरिका के हमले में भारत यह बात नहीं कह रहा है। यह भी रणनीतिक स्वायत्तता के भारत के दावे पर सवाल खड़े करता है।

बहरहाल, ईरान पर इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के असर को समझना हो तो सबसे पहले भारत की ऊर्जा सुरक्षा के नजरिए से इसे देखना होगा। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का करीब 81 फीसदी हिस्सा आयात करता है। पश्चिम एशिया इस आयात का प्रमुख स्रोत है। अगर ईरान होरमुज की खाड़ी को बाधित करता है और लाल सागर में हूती द्वारा हमला करके उस क्षेत्र को डिस्टर्ब किया जाता है तो वैश्विक तेल आपूर्ति पर गंभीर असर पड़ सकता है। दुनिया का करीब 20 फीसदी तेल होरमुज की खाड़ी से होकर गुजरता है। लेकिन भारत का 40 फीसदी तेल इस रास्ते से आता है। सोचें, अमेरिका के दबाव में भारत ने रूस से तेल खरीदना कम कर दिया है। अब अगर खाड़ी से तेल की आपूर्ति प्रभावित होती है तो भारत की मुश्किल बढ़ेगी। इससे भारत पर अमेरिका और वेनेजुएला से ज्यादा तेल खरीदने के दबाव बढ़ेगा।तेल की आपूर्ति प्रभावित होने से कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल संभव है। अभी यह 80डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया है और अगर जंग जारी रहती है तो यह एक सौ डॉलर प्रति बैरल तक या उससे ऊपर भी जा सकता है। इससे भारत के आयात बिल में बड़ी बढ़ोतरी होगी। इसका असर भारत की पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। भारत का चालू खाते का घाटा बढ़ेगा और पहले से दबाव झेल रहा रुपया और दबाव में आएगा। अगर सरकार पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी करती है तो उससे आम उपभोक्ताओं पर असर होगा और साथ ही परिवहन, उर्वरक, बिजली और विमानन सेवाओं की कीमतें बढ़ेंगी। अंतत: इसका बोझ भी जनता पर ही पड़ेगा। अगर महंगाई बढ़ती है तो उसका असर भारतीय रिजर्व बैंक की उदार ब्याज नीतियों पर भी पड़ेगा। केंद्रीय बैंक को सख्ती बरतनी होगी। अगर ब्याज दर बढ़ते हैं तो विकास दर में भी कमी आएगी।एक अनुमान के मुताबिक खाड़ी देशों में 90 लाख से एक करोड़ भारतीय नागरिक रहते हैं। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर और ओमान जैसे देशों में भारतीय समुदाय की बड़ी मौजूदगी है। बाहर से भारतीय पेशेवर जो रेमिटेंस यानी पैसा भेजते हैं उसका एक तिहाई से ज्यादा करीब 35 फीसदी हिस्सा खाड़ी देशों से आता है। यह बड़ी रकम होती है, जिसका कई राज्यों की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान होता है। अगर ईरान का युद्ध व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष में बदलता है, तो सभी खाड़ी देशों की सुरक्षा स्थिति प्रभावित हो सकती है। ध्यान रहे ईरान ने लगभग सभी खाड़ी देशों पर हमला शुरू कर दिया है। ऐसी स्थिति में भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी एक बड़ी कूटनीतिक और मानवीय चुनौती बन जाएगी। भारत ने यमन और यूक्रेन जैसे संकटों में बड़े पैमाने पर निकासी अभियान चलाए हैं, लेकिन खाड़ी क्षेत्र में संकट कहीं अधिक जटिल हो सकता है। रेमिटेंसेज में कमी आएगी, जिससे केरल और तेलंगाना से लेकर बिहार और उत्तर प्रदेश तक में लाखों परिवार प्रभावित होंगे।ध्यान रखने की जरुरत है कि भारत का एक बड़ा हिस्सा समुद्री व्यापार के जरिए पश्चिम एशिया और यूरोप से जुड़ा है। युद्ध की स्थिति में इस रास्ते में व्यापार प्रभावित होगा, माल ढुलाई की लागत बढ़ेगी, आपूर्ति शृंखला प्रभावित होगी और एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक शिपिंग बीमा महंगा होगा। इससे ऊर्जा के अलावा पेट्रोकेमिकल, फार्मा और इंजीनियरिंग उत्पादों के निर्यात पर भी असर पड़ेगा। यदि समुद्री मार्गों में अस्थिरता बढ़ती है तो भारत को वैकल्पिक रास्तों और रणनीतियों पर तेजी से काम करना होगा।भारत ने ईरान में चाबहार बंदरगाह के विकास में बड़ा निवेश किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी टेलीविजन इंटरव्यू में इसे बड़ी उपलब्धि बताते रहे हैं। इस बंदरगाह से भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुंच मिलती है और भारत को क्षेत्रीय संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का मौका मिलता है। युद्ध बढ़ने की स्थिति में यह परियोजना ठप पड़ सकती है, जिससे भारत की दीर्घकालिक रणनीतिक योजनाएं प्रभावित होंगी।

बिहार आइडिया ऑफ लोहिया की प्रयोगशाला

हरिशंकर व्यास

आधुनिक समय में श्देशञ्च हिंदू राजनीति के तीन प्रयोगधर्मी (विचारक?) हुए- गांधी, सावरकर और लोहिया। इन तीनों ने वे सूत्र, वे प्रयोग दिए, जिससे हिंदुओं को भक्ति की तीन नई मूर्तियाँ मिलीं। 1947 के बाद गांधी के नेहरू ने अपने प्रयोग किए। नेहरूवादी पैदा हुए। वही सावरकर के भक्तों ने हवा में लाठी घुमाते हुए भय, भक्ति, भूख की भीड़ बनाना शुरू किया। एक तरफ नेहरूवादी, दूसरी तरफ हिंदुवादी (धर्मनिरपेक्ष बनाम सांप्रदायिक)।और फिर इन दो धुरियों के बीच अचानक लड़ाकू तेवर के साथ डॉ. राममनोहर लोहिया उभरे। उनके जमीनी सूत्रों-नारों ने समाज में ऐसी हलचल बनाई, जिसके आगे गांधीवादी निरुत्तर थे तो हिंदुवादी भी मात्र हवा में लाठी भांजते थे। लोहिया के ही जुमलों ने वह मंडल-कमंडल बनाया कि समाज छिन्न-भिन्न हुआ। बुद्धि, विवेक सब छोड़ लोग पहचान (जाति, उपजाति, खाप) की भीड़ में कनवर्ट होने लगे।और अंत परिणाम? लोहियावादी भी वैसे ही बेमतलब है जैसे नेहरूवादी, गांधीवादी, मार्क्सवादी, माओवादी आदि भक्त समूहों का विसर्जन है। सवाल है तब 140 करोड़ लोगों का मालिक कौन? सावरकर के वे हिंदुवादी जो लाठी भांजने, हांकने की सौ वर्षों से ट्रेनिंग लेते-लेते डफरों के विश्वगुरू हैं।

निश्चित ही इस ट्रेनिंग का प्रतीकमान चेहरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। वे प्रधानमंत्री मोदी, जिन्होंने फरवरी 2026 में नई दिल्ली के भारत मंडपम से दुनिया को आह्वान किया कि स्वागत है आप द्वारा बनाई कृत्रिम बुद्धिमत्ता (सौ प्रतिशत अमेरिका या उनकी कंपनियों की मौलिक बुद्धि से निर्मित उत्पाद) का। भारत इसमें अपना भाग्य मानता है।और इस कॉलम को लिखते हुए खबर है कि अमेरिका ने रूसी तेल खरीदने के लिए भारत को 30 दिन की छूट दी। और अमेरिका की अनुमति प्राप्त हुई नहीं कि भक्त भीड़ का सोशल मीडिया श्अमेरिका से अनुमद्धि का वाह करते हुए है।मैं तभी ऐसी घड़ी में लोहिया और लोहिया के लोगों की स्मृति में नीतीश कुमार पर सोच रहा हूं। किस मनोदशा के पर्याय हैं नीतीश कुमार? इसलिए क्योंकि लोहिया की देशज राजनीति, जुमलों (या क्रांति) की प्रयोगशाला रहा है बिहार। लोहिया के मंडल चेहरे हों या भगवा चेहरे (सावरकर की सेंट्रल हॉल में तस्वीर के निर्णय के साझेदार जॉर्ज फर्नांडिस से हुकुमदेव नारायण यादव तक), सभी की यानी तमाम तरह के समाजवादियों की कर्मभूमि बिहार रही है। बिहार में कांग्रेस का शासन मुश्किल से चालीस वर्ष रहा। बाकी समय बिहार आइडिया ऑफ लोहिया की प्रयोगशाला रहा।कर्पूरी ठाकुर 1967 में मुख्यमंत्री बने थे। मधु लिमये, जॉर्ज फर्नांडिस से लेकर मंडल रिपोर्ट लिखे वाले बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल यहीं चुनाव जीतते रहे हैं। तभी सवाल है कि मंडल रिपोर्ट को लागू कराने की अधिसूचना जारी करवाने वाले शरद यादव, रामविलास पासवान हों या बिहार में 35 वर्षों से उसे लागू कराते लालू यादव, राबड़ी देवी तथा नीतीश कुमार के चेहरों से बिहार कैसा रचा है? ध्यान रहे नीतीश राज ही कोई बीस साल पुराना है।और लोहियावाद की इतनी लंबी देशज राजनीति के आइडिया की कुल बिहार प्राप्ति, उत्पादकता क्या है? एक वाक्य में जवाब है, खंडहर और मजदूर! तभी नीतीश कुमार की रिटायरी के साथ अब दिखलाई दे रहा है कि बिहार हर तरह से लाठीधारी डफर जमात का सुरक्षित गढ़ हो गया है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

मुख्य सचिव ने किया कुम्भ मेला(2027) की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण

– सभी कार्यों को तय समय में पूर्ण करने के निर्देश, गुणवत्ता पर विशेष जोर

– श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगमता सुनिश्चित करने के निर्देश

हरिद्वार(संवाददाता)। कुंभ मेलाख़ 2027 की तैयारियों का जायजा लेने के लिए प्रदेश के मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने गुरुवार को हरिद्वार में विभिन्न निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए तथा विभागीय समन्वय को सुदृढ़ बनाते हुए कार्यों में तेजी लाई जाए। निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव ने अपर गंगा नहर के बाएं तट पर स्थित शहीद भगत सिंह घाट से सिंहद्वार तक निर्माणाधीन घाटों एवं बैरागी कैम्प घाट का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए घाटों का निर्माण आधुनिक मानकों के अनुरूप किया जाए। बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों के लिए रैम्प, चेंजिंग रूम और प्रसाधन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। इस बार 'ग्रीन घाट' विकसित करने पर विशेष बल दिया गया, जिन पर हरित पट्टियां और फूल-पौधे सजाए जाएंगे।मुख्य सचिव ने ज्वालापुर ईदगाह पीएसी शिवालिक नगर मोटर मार्ग पर पथरी रौ नदी पर बन रहे 60 मीटर लंबे पुल, बहादराबादख़सिडकुल मार्ग के चौड़ीकरण, तथा धनौरीख़सिडकुल लिंक मार्ग पर 90 मीटर स्पान पुल के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि वर्षाकाल से पूर्व नदी तल के कार्य पूरे कर लिए जाएं, ताकि जलस्तर बढ़ने से निर्माण प्रभावित न हो।हरिद्वार बाईपास रिंग रोड परियोजना और दिल्ली राजमार्ग पर फ्लाईओवर कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। बैरागी कैम्प में 1500 किलोलिटर क्षमता के ओवरहेड टैंक सहित जलापूर्ति कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि कुंभ के दौरान निर्बाध एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि कुंभ मेलाख़2027 अंतरराष्ट्रीय स्तर का आयोजन है, जिसमें देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु आएंगे। इसलिए यातायात प्रबंधन, सुरक्षा, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाओं को समान प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने मेला नियंत्रण भवन में कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था में नवीनतम आईटी अनुप्रयोगों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर सचिव शहरी विकास नितेश झा, आयुक्त गढ़वाल मंडल विनय शंकर पांडे, आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप, मेलाधिकारी सोनिका, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

छात्रों ने उभरती तकनीकों के बारे में जाना

ऋषिकेश(संवाददाता)। श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विवि परिसर ऋषिकेश में चल रहे लैब ऑन व्हील्स प्रशिक्षण के दूसरे दिन गुरुवार को छात्रों को ऑटोमेशन विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। इन्फोसिस के रिसोर्स पर्सन एवं टेक्निकल ऑफिसर अमित कुमार द्वारा विद्यार्थियों को उभरती तकनीकों से संबंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। डिग्री कॉलेज परिसर में दूसरे दिन छात्रों ने ट्रैफिक लाइट सिस्टम कार्य संचालन एवं उसके प्रोटोटाइप, मॉल में उपयोग होने वाले स्मोक डिटेक्टर एलार्म सिस्टम, सेंसर आधारित स्ट्रीट लाइट के ऑटोमैटिक ऑन ऑफ सिस्टम के बारे में जाना, जिसमें छात्रों को वास्तविक जीवन में उपयोग होने वाली तकनीकों की समझ विकसित करने का अवसर मिला। बीसीए समन्वयक डॉ. गौरव वार्ष्णेय ने विद्यार्थियों को कार्यक्रम के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छात्रों को एआई, मशीन लर्निंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स समेत आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया जा रहा है। इन्फोसिस द्वारा संचालित यह मोबाइल लैब छात्रों को इंटरैक्टिव लर्निंग, लाइव प्रोजेक्ट्स पर कार्य करने और विभिन्न उद्योगों में प्रौद्योगिकी के वास्तविक अनुप्रयोग को समझने का अवसर प्रदान करती है। परिसर निदेशक प्रो. महावीर सिंह रावत ने कहा कि यह कार्यक्रम कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के सभी विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध है, जिससे अधिक से अधिक छात्र-छात्राएं लाभान्वित हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ उन्हें रोजगार के बेहतर अवसरों के लिए भी तैयार करते हैं।

संक्षिप्त समाचार...

मंत्री गणेश जोशी ने किया निर्माणाधीन वैली ब्रिज का निरीक्षण

देहरादून(संवाददाता)। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आज मसूरी-देहरादून मार्ग पर पर्यटन सीजन को ध्यान में रखते हुए निर्माणाधीन वैली ब्रिज के निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने लोक निर्माण विभाग एवं वन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर पर्यटन सीजन के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से स्थायी पुल के निर्माण से पहले एक ओर अस्थायी (टेंपरेरी) वैली ब्रिज बनाने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में आज उन्होंने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि पर्यटन सीजन प्रारंभ होने से पूर्व हर हाल में वैली ब्रिज का निर्माण कार्य पूर्ण किया जाए, ताकि पर्यटकों और स्थानीय नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।उन्होंने कहा कि इस वैली ब्रिज के निर्माण से मसूरी-देहरादून मार्ग पर यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और लोगों को जाम की समस्या से राहत मिलेगी तथा आवागमन अधिक सुगम हो सकेगा।

तीन साल के बच्चे की पिटाई का विरोध करने पर परिजनों को पीटा

देहरादून(संवाददाता)। तीन साल के बच्चे की चप्पल से पिटाई का विरोध करने पर उसके परिजनों के साथ मारपीट की गई। बसंत विहार एसओ अशोक राठौर ने बताया कि वर्षा कुकरेजा निवासी इंदिरानगर ने तहरीर दी। बताया कि बीते 13 मार्च को उनके तीन साल के बेटे के साथ पड़ोस के नौ साल के बच्चे ने मारपीट की। मारपीट करने वाले बच्चे के माता-पिता से पीड़ित दंपति ने इसकी शिकायत की। आरोप है कि इसके बाद बच्चे के माता पिता ने पीड़ित दंपति के साथ मारपीट की। पुलिस ने शुरुआती जांच के बाद बुधवार को आरोपी दंपति पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चाय बागान प्रबंधक से मारपीट और धमकी के आरोपी पर केस

देहरादून(संवाददाता। हरबंसवाला और आरकेडिया चाय बागान में अवैध रूप से पेड़ों के कटान का विरोध करने पर एक ब्लैकलिस्टेड ठेकेदार ने कंपनी के अधिकारी को गालियां देते हुए झूठे मुकदमों में फंसाने और अगवा करने की धमकी दी है। प्रबंधक की शिकायत के आधार पर बसंत विहार थाना पुलिस ने बुधवार को आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।एसओ बसंत विहार अशोक राठौर ने बताया कि चाय बागान के प्रबंधक नीरज शर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि सहारनपुर के थाना फतेहपुर क्षेत्र के खुजनावर निवासी मुकर्रम पूर्व में उनके यहां लकड़ी कटान का ठेकेदार था। कंपनी ने उसे पहले ही ब्लैकलिस्ट कर दिया था। आरोप है कि इसके बावजूद मुकर्रम चाय बागान क्षेत्र में बिना अनुमति अवैध रूप से लकड़ी काटकर चोरी कर रहा है।

अल्पसंख्यकों के कल्याण को लेकर सरकार प्रतिबद्धः खजान दास

देहरादून(संवाददाता)। प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री खजान दास ने आज विधानसभा स्थित सभागार कक्ष में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। मंत्री ने अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अंतर्गत किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आज हमने बैठक में शामिल सभी सदस्यों से सुझाव हासिल किये हैं तथा विभाग के अंतर्गत और कितने जनकल्याणकारी कार्य किये जा सकते हैं इस बारे में चर्चा की है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों के प्रति जनमानस को जागरूक किया जाए तथा होर्डिंग तथा अन्य प्रचार-प्रसार माध्यमों से जनकल्याणकारी योजनाओं को साझा किया जाए। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में हमारी सरकार अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों की समय-समय पर देखरेख की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कार्य करने की नियत हो तो सारे कार्य अच्छे ढंग से पूर्ण किये जा सकते हैं। मंत्री ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि जनता के विकास के साथ-साथ प्रदेश का भी विकास हो। उन्होंने कहा कि अगली बैठक में नये तथ्यों पर समीक्षा की जायेगी। उन्होंने विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्ति के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि कैम्प लगाकर जनप्रतिनिधियों के माध्यम से छात्रवृत्ति वितरित की जाए ताकि लोगों को योजना की जानकारी मिल सके। मंत्री ने मुख्यमंत्री हुनर योजना के तहत एनजीओ के माध्यम से हो रहे कौशल विकास कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कौशल कार्यक्रमों की जानकारी जनप्रतिनिधियों को भी देना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर विशेष सचिव पराग मधुकर धकाते, उप सचिव एचएस बसेड़ा, अध्यक्ष मदरसा बोर्ड मुफ्ती शमून कासमी, अध्यक्ष वक्फ बोर्ड शादाब शम्स, उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक आयोग फरजाना बेगम तथा अन्य विभागीय अधिकारी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक जोखिम

सिद्धबली मंदिर में धूमधाम से मनाया हनुमान प्रकटोत्सव

कोटद्वार(संवाददाता)। श्री सिद्धबली मंदिर में बृहस्पतिवार को हनुमान प्रकटोत्सव धूमधाम से मनाया गया। वासुकी फ्यूजन बैंड की ओर से बजरंग बली के भजनों पर श्रद्धालु दिनभर झूमते रहे। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण का केंद्र हनुमान के पात्र रहे। लोगों ने उनके चरण छूकर आशीर्वाद लिया और उनके साथ सेल्फी ली। इससे पूर्व सुखरो देवी मंदिर से सिद्धबली तक डीजे की धुन पर बाइक रैली निकाली। सिद्धबली मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य पंडित देवी प्रसाद भट्ट के सानिध्य में मंदिर समिति के अध्यक्ष डॉ. जेपी ध्यानी, महंत दिलीप रावत ने सिद्धबाबा का अभिषेक किया। गणेश मंदिर सेवा मंडल ने सुंदरकांड का पाठ किया। इसके बाद सुखरो देवी मंदिर से नगर में बाइक रैली निकाली गई। क्षेत्र की कीर्तन मंडलियों ने भी भजनों की प्रस्तुति दी। तबले पर मुकुल, मोना, पैड पर कान्हा, की-बोर्ड पर विशेष, बेस गिटार पर मोहित, पंकज जोशी, विपिन ने संगत दी। समारोह में एनसीसी कैडेट्स व एनएसएस स्वयंसेवियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर मंदिर समिति के उपाध्यक्ष विवेक अग्रवाल, शिव पोखरियाल, भाजपा जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल, सुखरो देवी मंदिर समिति के अध्यक्ष राजाराम अणथ्वाल, पार्षद सौरव नौडियाल आदि मौजूद रहे। छात्र-छात्राओं ने सुनाए हनुमान भजनः विद्या भारती से संबद्ध हेमनदास सरस्वती शिशु मंदिर जानकीनगर में हनुमान जन्मोत्सव का उद्घाटन प्रधानाचार्य प्रदीप नौटियाल ने किया। शिक्षक अंचल कुमार अग्रवाल ने हनुमान के संपूर्ण वृतांत पर प्रकाश डाला। शिक्षक योगेश नेगी के नेतृत्व में बच्चों ने वाद्य यंत्र के साथ हनुमान चालीसा का पाठ भी किया। धर्मशाला में हनुमान की मूर्ति की स्थापनाः लैंसडौन। हिन्दू पंचायती धर्मशाला परिसर स्थित मंदिर में हनुमान की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा धार्मिक अनुष्ठान के बीच विधि-विधान के साथ की गई। हनुमानजी की मूर्ति की स्थापना सहायक दुर्ग कार्यालय (एमईएस) के एजीई कैप्टन अमरिंदर पाल उनकी पत्नी नीपा, पिता विनीत भाटिया, माता पूनम भाटिया द्वारा कराई गई। हनुमान की मूर्ति पर चोला चढ़ाया। कार्यक्रम में धर्मशाला समिति के अध्यक्ष दिनेश रावत, सचिव कुलदीप खंडेलवाल, प्रबंधक सुशील अग्रवाल, कोषाध्यक्ष संदीप अग्रवाल, भास्कर बिष्ट, राजेश्वर गुप्ता आदि मौजूद रहे।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मृति द्वार का हुआ लोकार्पण

कोटद्वार(संवाददाता)। यमकेश्वर ब्लॉक के अंतर्गत बिथ्याणी में बृहस्पतिवार को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मृति द्वार का लोकार्पण किया गया। स्मृति द्वार का लोकार्पण मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य गुमालगांव कविता डबराल ने किया। उन्होंने कहा कि यमकेश्वर क्षेत्र के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने देश की आजादी के संघर्ष में बहुमूल्य योगदान दिया। ये महान विभूतियां हमारी धरोहर और विरासत हैं। इनका सम्मान आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक होगा, इस स्मृति द्वार को संजोकर रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत एवं पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष विनोद डबराल, ग्राम प्रधान पूनम देवी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य डा. मीरा रतूड़ी, क्षेत्र पंचायत सदस्य विपिन नेगी, मंगत सिंह आदि मौजूद रहे।संग्राम सेनानियों के नाम की एक पट्टिका स्थापित की गईः स्मृति द्वार के निकट क्षेत्र के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के नाम की एक पट्टिका भी स्थापित की गई है। इनमें बद्री सिंह (चोपड़ा), खुशहाल सिंह रावत (कस्याली), डबल सिंह (कांडी मल्ली), जगमोहन सिंह नेगी (कांडी), रणजीत सिंह एवं आनंद सिंह (कोल्सी), लाल सिंह (बोरगांव), बृजमोहन रतूड़ी एवं शत्रुघ्न प्रसाद (ठांगर), कांति प्रसाद एवं रूप चंद्र (चाई दमराडाङ), राय सिंह (गुंडी मल्ली), जितार सिंह (जमाल पट्टी), रघुबीर सिंह, माधो सिंह एवं गंगा सिंह (रामजीवाला), प्रताप सिंह (मराल पट्टी), अमर सिंह (फल्दाकोट), महिताब सिंह (नालापट्टी), रणजीत सिंह (गेंड पट्टी), बाग सिंह (ढौर पट्टी), नरोत्तम सिंह (खेड़ा पट्टी), खुशहाल सिंह एवं कुंदन सिंह (काशी पट्टी), जीत सिंह (दत्तला पट्टी), चव्हाण सिंह (तिमली पट्टी), जीत सिंह (पोखरी पट्टी) , चंदन सिंह (कुनवा पट्टी) के नाम सम्मिलित हैं।

नगर निगम की लचर कार्यशैली पर भड़का नागरिक मंच, प्रदर्शन

कोटद्वार(संवाददाता)। शहर की मुख्य सड़कों और सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण मुक्त रखने समेत कई मांगों को लेकर नागरिक मंच ने गोखले मार्ग पर नगर निगम के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया। आरोप लगाया कि नगर निगम की लचर कार्यशैली का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। बृहस्पतिवार को पूर्व निधरित कार्यक्रम के अनुसार कोटद्वार नागरिक मंच के अध्यक्ष सीपी नैथानी और महासचिव अतुल भट्ट की अगुवाई में सदस्य गोखले मार्ग में एकत्र हुए। प्रदर्शनकारियों ने नगर निगम क्षेत्र के तहत स्टेशन रोड, पटेल मार्ग, गोखले मार्ग, गंगादत्त जोशी मार्ग व लकड़ी पड़ाव की 61 बीघा भूमि से अतिक्रमण हटाने, राजकीय स्टेडियम लकड़ी पड़ाव को अतिक्रमण मुक्त करने की मांग उठाई। प्रदर्शनकारी ट्रेंचिंग ग्राउंड को कंचनपुरी में शिफ्ट करने, नालियों एवं शौचालयों की समुचित सफाई करने, वाचनालय बनाने एवं बच्चों के लिए पार्क की सुविधाएं जुटाने की मांग कर रहे थे।

यात्रा मार्ग पर 15 अप्रैल तक तैनात करें जेसीबी : डीएम

पौड़ी(संवाददाता)। डीएम ने चारधाम यात्रा की तैयारियों के संबंध में विभागों को जिम्मेदारियां सौंप दी हैं। उन्होंने विभागों को शीघ्र ही ड्यूटी रोस्टर जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही वर्षाकाल के दृष्टिगत संवेदनशील स्थानों पर जेसीबी मशीनें 15 अप्रैल तक तैनात करने के भी निर्देश दिए। पुलिस विभाग को पर्याप्त फोर्स तैनात करने व जाम से निपटने के लिए पहले से ही प्लान तैयार करने को कहा। कलक्ट्रेट में आयोजित बैठक में डीएम स्वाति एस भदौरिया ने यात्रा को सुव्यवस्थित, सुरक्षित और श्रद्धालुओं के अनुकूल बनाने के लिए पुलिस, स्वास्थ्य, जल, लोनिवि, उरेडा, पर्यटन, खाद्य आदि विभागों की समीक्षा बैठक ली। डीएम ने लक्ष्मणझूला, कलियासौड़, भट्टीसेरा व नीलकंठ क्षेत्र में चिकित्सा राहत इकाइयों की स्थापना और संचालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने इन क्षेत्रों में रोस्टरवार चिकित्सकों व स्वास्थ्य कर्मियों की तैनाती, पर्याप्त एंबुलेंस व्यवस्था व आपातकालीन सेवाओं को मजबूत करने को कहा। साथ ही लोनिवि को आगामी वर्षाकाल के दृष्टिगत संवेदनशील स्थानों पर जेसीबी मशीनें 15 अप्रैल तक तैनात करने के भी निर्देश दिए। जनपद से जुड़े विभिन्न वैकल्पिक मार्गों का निरीक्षण कर शीघ्र सुधारीकरण करने को कहा। पार्किंग स्थलों व भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में मोबाइल शौचालय स्थापित करने के साथ ही स्ट्रीट लाइटों को भी अपडेट करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने खाद्य एवं आपूर्ति और पर्यटन विभाग को होटलों, धर्मशालाओं, रैनबसेरा व गेस्ट हाउसों का संयुक्त निरीक्षण कर ईंधन (पेट्रोल, डीजल, एलपीजी) की उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए। परिवहन विभाग की ओर से बताया गया कि चारधाम यात्रा के लिए वाहनों के ग्रीन कार्ड बनने शुरू हो गए हैं। जनपद में करीब 500 बसें और पांच हजार टैक्सी/मैक्सी की व्यवस्था की गई है। इस मौके पर सीओ सीओ तुषार बोरा, आरटीओ द्वारिका प्रसाद व विमल पांडेय, ईई जल संस्थान प्रवीण सैनी, ईई लोनिवि विवेक सेमवाल, डीएसओ अरुण कुमार वर्मा आदि मौजूद रहे।

बजरंग बली के जयकारों से गूंज उठी काशी नगरी

उत्तरकाशी(संवाददाता)। जनपद में हनुमान जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस दौरान नगर में भव्य शोभा यात्रा निकालकर मंदिर पर नये ध्वजा चढ़ाई गए। वहीं, पूरे काशी नगरी में बजरंग बली के नारों से गूंज उठा। इसके साथ मंदिर परिसर में शंख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें अतुल भट्ट प्रथम रहे। बृहस्पतिवार को हनुमान जयंती पर जिला मुख्यालय स्थित हनुमान मंदिर में सुबह से ही धार्मिक अनुष्ठान शुरू हो गए थे। शोभा यात्रा नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए मणिकर्णिका घाट पहुंची। शोभा यात्रा के दौरान पूरा नगर बजरंग बली के नारों से गूंज रहा। मंदिर परिसर में आयोजित शंख ध्वनि प्रतियोगिता में नरेश नौटियाल द्वितीय और दिव्यांशु जुयाल तृतीय रहे। इस मौके पर पूर्व विधायक विजयपाल सजवाण, शिव प्रसाद भट्ट, रविंद्र नौटियाल, रामगोपाल पैन्यूली, हरि सिंह राणा, प्रेम सिंह पंवार, माधव नौटियाल, द्वारिका प्रसाद नौटियाल, दिवाकर भट्ट, पारस विजल्वाण, हरीश नौटियाल आदि मौजूद रहे।

यमुना घाटी में सेब उत्पादन को मिलेगा बढ़ावा

- मधुमक्खी बॉक्स से बढ़ेगी सेब की पैदावार, किसानों को बड़ी राहत

उत्तरकाशी(संवाददाता)। सेब उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उद्यान विभाग ने यमुना घाटी में 10 उद्यान सचल दल केंद्रों में करीब 1600 मधुमक्खी बॉक्स उपलब्ध कराए गए हैं जिन्हें सेब के बगीचों के समीप सुरक्षित स्थानों पर रखा गया है। खास बात यह है कि इन बॉक्सों के उपयोग के लिए काश्तकारों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। स्योरी फल पट्टी के दोसाड़ा, पुरानी मटियाली और रस्टाड़ी क्षेत्रों में लगभग 500 मधुमक्खी बॉक्स स्थापित किए गए हैं। मधुमक्खियां चिह्नित स्थानों से दो से तीन किमी के दायरे में स्थित सेब बगीचों में परागण का कार्य करेंगी। इसके अलावा भाटिया, धारी कफनौल और डामटा क्षेत्रों में भी मधुमक्खी बॉक्स तैनात किए गए हैं। स्थानीय बागवानों का कहना है कि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अप्रैल से मध्य मई तक सेब के पेड़ों में फूल खिलते हैं। इस दौरान मधुमक्खियां एक पौधे के नर फूल से पराग एकत्र कर दूसरे पौधे के मादा फूल तक पहुंचाती है जिससे क्रॉस परागण होता है और बेहतर गुणवत्ता के फल प्राप्त होते हैं। समय पर परागण न होने की स्थिति में फल का आकार प्रभावित होता है जिससे उत्पादन पर भी असर पड़ता है। उद्यान सचल दल केंद्र नौगांव के प्रभारी हरपाल सिंह राणा ने बताया कि सेब के बगीचों के पास मधुमक्खी बॉक्स सुरक्षित रूप से पहुंचा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि स्योरी फल पट्टी के प्रमुख क्षेत्रों में बॉक्स स्थापित कर परागण प्रक्रिया को सुदृढ़ किया गया है।

नहरों की मरम्मत के लिए सात करोड़ स्वीकृत

उत्तरकाशी(संवाददाता)। विधानसभा पुरोला क्षेत्र के काश्तकारों को सिंचाई समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। शासन ने क्षेत्र की दर्जनों सिंचाई नहरों के सुदृढ़ीकरण और जीर्णोद्धार के लिए सात करोड़ 23 हजार की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। इसके बाद जल्द ही क्षेत्र में लंबे समय से बदहाल पड़ी सिंचाई व्यवस्था में सुधार होगा। विधायक दुर्गेश लाल ने बताया कि मोरी, पुरोला और नौगांव प्रखंड में नहरों की खराब स्थिति को लेकर लगातार शासनस्तर पर प्रयास किए जा रहे थे जिसके परिणामस्वरूप अब यह बड़ी धनराशि स्वीकृत हो पाई है। उन्होंने कहा कि योजना के लागू होने से किसानों को समय पर सिंचाई का पानी मिलेगा और जमीन की उत्पादकता में भी वृद्धि होगी। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नहरों के मरम्मत और जीर्णोद्धार कार्य को जल्द शुरू किया जाए।

धाम में सुपर नोडल अधिकारी व यात्रा मार्ग पर सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किए

उत्तरकाशी(संवाददाता)। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में व्यवस्थाओं को देखने के लिए डीएम प्रशांत आर्य ने सुपर नोडल अधिकारी व यात्रा मार्ग पर सेक्टर मजिस्ट्रेट और अधिकारियों की तैनाती की है। मुख्य विकास अधिकारी जय भारत सिंह को यमुनोत्री धाम व अपर जिलाधिकारी मुक्ता मिश्र को गंगोत्री धाम का सुपर नोडल अधिकारी नामित किया है। बृहस्पतिवार को जिलाधिकारी ने यात्रा मार्ग पर सुरक्षा, यातायात नियंत्रण एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन को सेक्टर मजिस्ट्रेट व सेक्टर अधिकारियों की तैनाती की। ये अधिकारी अपने-अपने सेक्टर में व्यवस्थाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करेंगे। किसी भी आपात स्थिति में अधिकारी त्वरित कार्रवाई के साथ जिम्मेदारी संभालेंगे। धामों और यात्रा मार्गों पर स्वास्थ्य, पेयजल, विद्युत, परिवहन, सफाई एवं अन्य आवश्यक सेवाओं के लिए संबंधित विभागों की ओर से नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपने-अपने विभागों से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने एवं समय पर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए तत्पर होंगे। डीएम ने सभी अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रांतर्गत प्रतिदिन निरीक्षण करने को कहा और व्यवस्थाओं की सतत निगरानी बनाए रखने के निर्देश जारी किए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को कहा।

हिन्दी दैनिक जोखिम

युद्ध की शांति हेतु हवन -पूजन किया

नैनीताल (संवाददाता)। प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल जिला इकाई नैनीताल द्वारा श्री हनुमानजी की जयंती पर विश्व में ईरान, अमेरिका, इजरायल के बीच चल रहे युद्ध की शांति हेतु हवन -पूजन कर सभी देशों में अमन चौन शांति हेतु बजरंगबली जी से प्रार्थना किया, जिसमें संगठन के प्रदेश अध्यक्ष जी द्वारा कहा गया कि वैश्विक संकट के समय में भगवान ही इससे मुक्ति दिला सकते है, संगठन विश्व के सभी राष्ट्राध्यक्षों को इस युद्ध को जल्द समाप्त करने के लिए आगे आने का अनुरोध करता है,जिलाध्यक्ष विपिन गुप्ता ने कहा कि इस युद्ध से विश्व के सभी देश प्रभावित हुए है इसे जल्द से जल्द समाप्त करने हेतु अपने देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी से भारत की ओर से पहल करने का आग्रह करते है, इस कार्यक्रम में संगठन के जिला महामंत्री हर्ष वर्द्धन पांडे, महानगर अध्यक्ष योगेश शर्मा, महामंत्री मनोज जायसवाल, जिला सचिव गिरिजा नंदन भट्ट, प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्र शेखर पंत,युवा जिलाध्यक्ष प्रदीप सब्बरवाल,इंद्र कुमार भुटियानी,कौशलेंद्र भट्ट, नीरज भट्ट ,रेनू टंडन ,हिन्दू धर्मशाला से राजेश अग्रवाल, प्रेम कुमार गुप्ता, राधेश्याम अग्रवाल, अनिल कुमार गुप्ता, राजेश अग्रवाल, प्रेम कुमार गुप्ता, कश्मीरी लाल साहनी, आलोक कुमार टंडन जी सहित संगठन के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

दहशत फैलाने की कोशिश करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर किया

हल्द्वानी (संवाददाता)। सोशल मीडिया पर अवैध तमंचे के साथ फोटो पोस्ट कर दहशत फैलाने की कोशिश करने वाले युवक को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। युवक द्वारा इंस्टाग्राम पर तमंचे के साथ रील बनाकर वायरल होने की कोशिश की जा रही थी, जिसे पुलिस ने गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की।मामले में डॉ. मंजुनाथ टीसी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल द्वारा सख्त कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। उनके निर्देशों के क्रम में पुलिस टीम सक्रिय हुई और आरोपी को धर दबोचा।पुलिस अधीक्षक हल्द्वानी मनोज कत्याल एवं क्षेत्राधिकारी अमित कुमार सैनी के पर्यवेक्षण में, प्रभारी निरीक्षक विजय सिंह मेहता के नेतृत्व में गठित टीम ने दिनांक 01 अप्रैल 2026 को हल्द्वानी क्षेत्र के क्रियाशाला मंदिर के पास से अभियुक्त को गिरफ्तार किया।इस संबंध में थाना हल्द्वानी में एफआईआर संख्या 111/2026 के तहत धारा 3/25 आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।अंश खत्री उर्फ अक्की (उम्र 19 वर्ष), पुत्र भानु प्रताप सिंह खत्री, निवासी अम्बेडकरनगर शिवपुरी, थाना कठघर, मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश), वर्तमान निवासी गौला गेट, राजपुरा, हल्द्वानी।

बस के टायर में अचानक आग लग गई

हल्द्वानी (संवाददाता)। / देर रात एक बड़ा हादसा होने से टल गया। जब एसएसपी मंजूनाथ टीसी की सतर्कता ने 10 जिंदगियों को सुरक्षित बचा लिया। नैनीताल रोड पर चल रही एक बस के टायर में अचानक आग लग गई थी। लेकिन समय रहते हालात काबू में आ गए।दरअसल एसएसपी मंजूनाथ टीसी जब देर रात शहर में चेकिंग के लिए निकले थे। इस दौरान उन्होंने नैनीताल रोड पर एक बस के नीचे टायर में आग लगी हुई देखी। एसएसपी ने तत्काल अपनी गाड़ी से ओवरटेक कर बस को रुकवाकर मोर्चा संभाला और पास के पेट्रोल पंप से फायर एक्सटिंग्विशर मंगाकर खुद आग बुझाई।एसएसपी ने बस में सवार 10 लोगों को बचाकर सकुशल बाहर निकाला। बताया जा रहा है बस अल्मोड़ा से दिल्ली जा रही थी। जिसमें अचानक नैनीताल रोड स्थित हाईवे में आग लग गई। हालांकि एसएसपी की सूझबूझ से एक बड़ा हादसा होने से टल गया। वहीं बस में आग देख मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। हाईवे से गुजर रहे लोगों ने भी एसएसपी मंजूनाथ टीसी की सक्रियता की तारीफ की।

यात्रियों के लिए मेडिकल स्क्रीनिंग और टीकाकरण का शुभारंभ किया

हल्द्वानी (संवाददाता)। /हज यात्रा 2026 पर जाने वाले यात्रियों के लिए मेडिकल स्क्रीनिंग और टीकाकरण का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम सोबन सिंह जीना बेस चिकित्सालय में आयोजित हुआ।पहले दिन जनपद नैनीताल और अल्मोड़ा के कुल 173 में से 101 हज यात्रियों की जांच और टीकाकरण सफलतापूर्वक किया गया, जबकि शेष यात्रियों की प्रक्रिया 2 अप्रैल को पूरी की जाएगी।मेडिकल स्क्रीनिंग और टीकाकरण का शुभारम्भ उत्तराखंड कृषि विपरण बोर्ड के अध्यक्ष अनिल कपूर, दब्बू ने किया. इस मौके पर दिनेश आर्य, खतीब अहमद अध्यक्ष उत्तराखण्ड राज्य हज समिति, तरन्नुम खांन सदस्य उत्तराखण्ड राज्य हज समिति, शाहिदा सिराज सदस्य उत्तराखण्ड राज्य हज समिति, इसरार प्रदेश उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा भाजपा।अनवार खान मंडल अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा भाजपा, मोहम्मद आरिफ अधिशासी अधिकारी उत्तराखण्ड राज्य हज समिति, मो0 अहसान हज अधिकारी उत्तराखण्ड राज्य हज समिति, अब्दुल कादिर , गुलशन एवं स्वास्थ्य विभाग और हज कमेटी की टीम टीकाकरण में मौजूद रहे।हज यात्रियों को यात्रा से पहले आवश्यक स्वास्थ्य जांच, वैक्सीनेशन और जरूरी सलाह दी गई, ताकि उनका सफर सुरक्षित और बेफिक्र रहे।

प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर जमकर नारेबाजी

रामनगर (संवाददाता)। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के रामनगर आगमन पर युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर जमकर नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री का विरोध जताया।युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सुमित लोहनी के नेतृत्व में दर्जनों युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लखनपुर चुंगी पर मुख्यमंत्री को काले झंडे दिखाने के लिए खड़े हो गए और सरकार विरोधी नारेबाजी की।प्रदर्शनकारियों ने प्रदेश में बेलगाम होती बेरोजगारी, महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध और सरकारी तंत्र में भ्रष्टाचार को लेकर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया। सुमित लोहनी ने कहा कि ष्आज उत्तराखंड का युवा सड़कों पर है, बहन-बेटियां असुरक्षित हैं और सरकार केवल प्रचार में व्यस्त है। जब तक जनता को न्याय नहीं मिलता युवा कांग्रेस का विरोध जारी रहेगा।प्रदर्शन करने के दौरान पुलिस ने युवा कार्यकर्ताओं को रोकने की कोशिश की और तीखी नोकझोंक के बाद पुलिस ने शांति भंग करने का हवाला देते हुए जिला अध्यक्ष सुमित लोहनी सहित सभी युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ष्कलाब जिंदाबादष् और ष्युवा विरोधी मुख्यमंत्री वापस जाओष् के नारे लगाए। साथ मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की गई।इस दौरान विरोध प्रदर्शन में युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुमित लोहनी, सभासद सचिन कुमार आर्य, युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष विकाश कुमार,सभासद सलमान सलमानी,दीपक रावत,नितिन शाह,पंकज कुमार,चेतन पंत,विजय बिष्ट आदि मौजूद रहें।

जिला योजना समिति चुनाव टालना लोकतांत्रिक व्यवस्था पर प्रहार: भूपेंद्र सिंह भोज

अल्मोड़ा(संवाददाता)। उत्तराखंड में जिला योजना समिति के चुनाव अब तक न कराए जाने को लेकर कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इसे सरकार की नाकामी और लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं की अनदेखी का उदाहरण बताते हुए लोकतंत्र पर प्रहार करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार जानबूझकर जिला योजना समिति के चुनाव टाल रही है, ताकि जनप्रतिनिधियों की भागीदारी समाप्त कर अपने स्तर से फैसले लागू किए जा सकें। उनके अनुसार सरकार लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर जनता की आवाज दबाने का काम कर रही है। भोज ने कहा कि जिला योजना समिति स्थानीय विकास की रीढ़ होती है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में यह व्यवस्था प्रभावित हो चुकी है। चुनाव न कराना सरकार की नीयत पर सवाल खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि समिति स्थानीय विकास योजनाओं के निर्माण और क्रियान्वयन का महत्वपूर्ण माध्यम है, लेकिन इसके चुनाव टाले जाने से विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और जनभागीदारी घट रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पंचायतों और स्थानीय निकायों की शक्तियों को कमजोर कर रही है, जो लोकतंत्र के मूल ढांचे के विपरीत है। उन्होंने कहा कि यदि समय पर चुनाव नहीं कराए गए तो यह संवैधानिक व्यवस्था का उल्लंघन होगा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने सरकार से जिला योजना समिति के चुनाव शीघ्र कराने की मांग की, ताकि विकास कार्यों में पारदर्शिता और जनभागीदारी सुनिश्चित हो सके। साथ ही चेतावनी दी कि इस मुद्दे पर गंभीरता न दिखाने पर कांग्रेस आंदोलन करेगी।

हिन्दी दैनिक जोखिम

27 सूत्रीय मांगों को लेकर डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ ने सीएम धामी को सौंपा ज्ञापन

रामनगर (संवाददाता)। रामनगर में उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के सदस्यों ने अपनी 27 सूत्रीय मांगों को लेकर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान महासंघ के प्रतिनिधियों ने विभिन्न विभागों में कार्यरत डिप्लोमा इंजीनियरों की समस्याओं और लंबित मांगों को विस्तार से मुख्यमंत्री के समक्ष रखा।महासंघ के पदाधिकारियों ने बताया कि उनकी प्रमुख मांगों में सेवा शर्तों में सुधार, पदोन्नति प्रक्रिया में पारदर्शिता, वेतन विसंगतियों का समाधान और तकनीकी कर्मचारियों के हितों से जुड़े अन्य मुद्दे शामिल हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय से इन मांगों को लेकर प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अब तक ठोस समाधान नहीं निकल पाया है, जिससे कर्मचारियों में असंतोष बढ़ता जा रहा है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने महासंघ के प्रतिनिधियों की बातों को गंभीरता से सुना और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कर्मचारियों के हितों के प्रति संवेदनशील है और उनकी जायज मांगों पर सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा।इस दौरान ज्ञापन सौंपने वालों में शाखा अध्यक्ष प्रमोद कुमार, शाखा सचिव मोहम्मद वासिफ, अमित उप्रेती, गोविंद सिंह रावत, हर्षवर्धन पाठक आदि मौजूद रहें।

कुसुम गुप्ता को मनोविज्ञान विषय में पीएचडी की उपाधि

रामनगर (संवाददाता)। पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामनगर के मनोविज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर कुसुम गुप्ता को कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल ने पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। शोधार्थी कुसुम गुप्ता ने अपना शोध कार्य ष्इफेक्ट ऑफ पेरेंटिंग स्टाइल ऑन लोकस ऑफ कंट्रोल एंड एकादमिक स्ट्रेस इन कॉलेज स्टूडेंट्सष शीर्षक पर किया है।उन्होंने

अपना शोध कार्य राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामनगर के मनोविज्ञान विभाग की प्रोफेसर डॉ.अनीता जोशी के कुशल निर्देशन में पूर्ण किया है। मौखिकी परीक्षा कुमाऊँ विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष व कला संकाय प्रोफेसर रजनीश पांडे की अध्यक्षता में संपन्न हुई। परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा की मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मधुलता नयाल रही।परीक्षकों ने उनके द्वारा किए गए शोध कार्य की सराहना कर गुणवत्ता युक्त कहा।इस अवसर पर बाह्य परीक्षक प्रोफेसर मधुलता नयाल,संयोजक प्रोफेसर रजनीश पांडे ,शोध निर्देशक प्रो. अनीता जोशी ,डॉ. वल्लरी कुकरेती, डॉ. ऋचा गिनवाल, डॉ.नंदन सिंह, डॉ. संजय घिल्डियाल डॉ.प्रियंका रावत,रामनगर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.एम.सी.पाण्डे, चीफ प्रॉक्टर प्रो.एस.एस. मौर्या, डॉ. लवकुश चौधरी डॉ प्रमोद जोशी, डॉ. गुरप्रीत सिंह, डॉ. देव आशीष, डॉ. डी.एन.जोशी एवं अन्य प्राध्यापकों ने बधाई दीं। डॉ.कुसुम गुप्ता ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने गुरुजनों एवं अपने परिजनों को दिया है।

रामनगर में दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान का समापन, सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कार्यकर्ताओं को दिया जनसेवा का मंत्र

रामनगर (संवाददाता)। रामनगर के अग्रवाल सभा भवन में आयोजित दो दिवसीय दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान का गुरुवार को भव्य समापन हुआ। इस कार्यक्रम में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती व

जनसेवा के महत्व पर प्रेरित किया।भारतीय जनता पार्टी रामनगर मंडल द्वारा 1 से 2 अप्रैल तक आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और वंदे मातरम के साथ हुआ। कार्यक्रम में वैचारिक अधिष्ठान की जिम्मेदारी दीपक मेहरा ने निभाई, जबकि भाजपा के इतिहास एवं विकास पर गोविंद सिंह बिष्ट ने विस्तार से प्रकाश डाला।कार्यक्रम के दौरान विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने कार्य विस्तार की रणनीति पर अपने विचार रखे और कार्यकर्ताओं को संगठन को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया। वहीं रंजन सिंह बरगली ने पार्टी की कार्य पद्धति और संगठनात्मक ढांचे पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। द्वितीय दिवस के मुख्य सत्र में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपनी सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं के क्रियान्वयन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ता ही संगठन की असली ताकत हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे जनसेवा को सर्वोपरि रखते हुए सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं। कार्यक्रम के संयोजक मनीष अग्रवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

विश्व आटिज्म दिवस के अवसर पर संवेदना फाउंडेशन के द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

रामनगर(संवाददाता)। विश्व आटिज्म दिवस के अवसर पर संवेदना फाउंडेशन संस्था के द्वारा रामनगर के पीरूमदारा स्थित किसान इंटर कॉलेज में स्कूली बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें

विद्यालय के छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग किया, इस दौरान प्रतियोगिता के बाद गोष्ठी का आयोजन भी किया गया, जिसमें दिव्यांगता के विशेष प्रकार आटिज्म के विषय में स्कूली बच्चों को जागरूक भी किया गया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार व समाजसेवी राहुल सिंह दर्मवाल रहे। इस दौरान हल्द्वानी से आए संवेदना फाउंडेशन के अध्यक्ष अनिल भंडारी ने बच्चों को आटिज्म के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की, इसके साथ ही विशेष शिक्षिका प्रतिभा रावत ने भी बच्चों को दिव्यांगता की विभिन्न श्रेणियों और दिव्यांगता के प्रकारों के बारे में जागरूक किया, कार्यक्रम में किसान इंटर कॉलेज पीरूमदारा के प्रधानाचार्य हरेंद्र सिंह चौहान ने भी स्कूली बच्चों को जानकारी देने और आए हुए अतिथियों का स्वागत किया, कार्यक्रम में मेरा गांव स्वस्थ गांव विषय पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया, जिसमें सादिया मलिक प्रथम, प्रियांशु द्वितीय, हिमांशी तृतीय स्थान पर रहे, जिनको संस्था सदस्यों द्वारा पुरूस्कार भी किया गया।कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले सभी विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र भी प्रदान किए गए। इस दौरान किसान इंटर कॉलेज पीरूमदारा के प्रधानाचार्य हरेंद्र सिंह चौहान, अध्यापिका सीता रावत, समाजसेवी राहुल सिंह दर्मवाल, संवेदना फाउंडेशन के अध्यक्ष अनिल भंडारी, प्रकाश भट्ट, तनुजा पांडेय, प्रतिभा रावत, विमला अधिकारी, कुंदन सिंह भंडारी, गौरव मंदोलिया, गौरव कुमार, करन बिष्ट, करन नेगी, केशव बिष्ट , सौरभ छिम्वाल, पारस बिष्ट, रवि तिवारी, नीरज रावत, अनुज अधिकारी आदि लोग मौजूद रहे।

बाघ ने जंगल में वृद्ध महिला पर हमला कर उसकी जान ले ली

खटीमा (संवाददाता)। /सीमांत क्षेत्र खटीमा के बग्गा चौवन इलाके में गुरुवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब एक बाघ ने जंगल में मवेशी चरा रही वृद्ध महिला पर हमला कर उसकी जान ले ली। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, 71 वर्षीय गोपुली देवी रोज की तरह सुबह अपने पशुओं को चराने जंगल गई थीं। इसी दौरान घात लगाए बैठे बाघ ने अचानक उन पर हमला कर दिया और उन्हें घसीटते हुए घनी झाड़ियों में ले गया। आसपास मौजूद अन्य चरवाहों ने शोर मचाया और तुरंत गांव में सूचना दी।सूचना मिलते ही ग्रामीणों के साथ पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। काफी देर तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद महिला का क्षत-विक्षत शव

जंगल के भीतर से बरामद किया गया।घटना से मृतका के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गोपुली देवी पशुपालन के जरिए परिवार का भरण-पोषण करती थीं। उनके परिवार में दो विवाहित बेटियां और एक अविवाहित पुत्र चंदन सिंह दशौनी हैं। अचानक हुई इस घटना से घर में कोहराम मचा हुआ है।घटना की गंभीरता को देखते हुए उप प्रभागीय वन अधिकारी संचिता वर्मा और रेंजर राजेंद्र सिंह मनराल ने मौके का निरीक्षण किया। वन विभाग ने क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और कर्मचारियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं।वन विभाग ने पीड़ित परिवार को नियमानुसार मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया तेज कर दी है। वहीं, शव को पोस्टमार्टम के लिए उपजिला चिकित्सालय खटीमा भेज दिया गया है।

सीएम घोषणाओं की समीक्षा बैठक में लंबित कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश

अल्मोड़ा(संवाददाता)। जिलाधिकारी अंशुल सिंह की अध्यक्षता में विकासभवन सभागार में मुख्यमंत्री द्वारा 04 जुलाई 2021 से अब तक की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन और प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। गुरुवार को आयोजित बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति का आकलन करते हुए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री घोषणाओं से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए और लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रगति पर चल रहे कार्यों की अद्यतन स्थिति समय-समय पर पोर्टल पर अपलोड की जाए और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने परियोजनाओं की भौतिक और वित्तीय प्रगति की नियमित समीक्षा करने तथा किसी भी प्रकार की बाधा आने पर उसका त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी विभागों को निर्धारित प्रारूप में अद्यतन सूचनाएं उपलब्ध कराने को कहा, ताकि उच्च स्तरीय बैठकों में सटीक जानकारी प्रस्तुत की जा सके। बैठक में विभिन्न विभागों ने अपनी-अपनी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिस पर जिलाधिकारी ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा, प्रभागीय वनाधिकारी प्रदीप धौलाखंडी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी रेणु भंडारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक जोखिम

हुमा कुरैशी की चमक के कायल हुए हॉलीवुड निर्देशक जैक स्नाइडर, बताया बेहतरीन एक्ट्रेस

मशहूर हॉलीवुड निर्देशक जैक स्नाइडर ने अभिनेत्री हुमा कुरैशी की जमकर तारीफ की। उन्होंने हुमा को फिल्म आर्मी ऑफ द डेड में काम करने वाले सबसे अच्छे कलाकारों में से एक बताया। जैक स्नाइडर ने मंगलवार को हुमा कुरैशी की तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, हुमा कुरैशी उन बेहतरीन अभिनेत्री में से एक हैं, जिनके साथ मुझे आर्मी ऑफ द डेड में काम करने का अवसर मिला। टैलेंट, स्क्रीन पर मौजूदगी और जबरदस्त चमक थी। मनोरंजन जगत के कलाकारों ने भी जैक के पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने लिखा, आप सबसे बढ़िया हैंज् बॉस। फराह खान ने लिखा, अरे वाह।आर्मी ऑफ द डेड स्नाइडर की बनाई एक कहानी पर आधारित है। फिल्म की कहानी कुछ सैनिकों के एक ग्रुप के इर्द-गिर्द घूमती है, जो जॉम्बी के कहर के दौरान लास वेगास के एक कसीनो में डकैती की योजना बनाते हैं। स्नाइडर ने आर्मी ऑफ द डेड का आइडिया अपनी 2004 में आई पहली फिल्म डॉन ऑफ द डेड की अगली कड़ी के तौर पर सोचा था।इस फिल्म में कई बड़े एक्टर्स ने काम किया है, जिनमें डेव बॉतिस्ता, एला पर्नेल, ओमारी हार्डविक, एना डे ला रेग्वेरा, थियो रॉसी, मैथियास श्वेघोफर, नोरा अर्नेजेडर, हिरोयुकी सनाडा, टिग नोटारो, राउ कैस्टिलो, हुमा कुरैशी और गैरेट डिलाहंट शामिल हैं।अभिनेत्री हुमा कुरैशी जल्द ही टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप में नजर आएंगी। गैंगस्टर एक्शन-ड्रामा है, जिसे गीतु मोहनदास ने डायरेक्ट किया है।

मेन स्ट्रीम सिनेमा के मुकाबले ओटीटी पर अभिनेत्रियों के लिए ज्यादा अच्छे किरदार : भूमि पेडनेकर

मायानगरी के सिनेमा के सपने को पूरा करने का ख्वाब अब दिल्ली में भी देखा जा सकेगा क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव पहली बार दिल्ली में हो रहा है। 31 मार्च तक चलने वाले महोत्सव में सितारों का मेला लग रहा है। सोमवार को टॉयलेट : एक प्रेमकथा और दम लगाके हईशा जैसी फिल्मों में लीड रोल निभा चुकीं भूमि पेडनेकर और अभिनेता मानव विज समारोह का हिस्सा बने। भूमि पेडनेकर ने कहा कि पहली बार अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का हिस्सा बनकर खुशी महसूस हो रही है। दिल्ली को इस फिल्म फेस्टिवल की सबसे ज्यादा जरूरत है, और आज सरकार और इस समारोह से जुड़े लोगों की मेहनत ने कलाकारों और निर्माताओं को बड़ा मंच दिया है। भले ही मैं मुंबईवासी हूं, लेकिन मेरा दिल दिल्ली के लिए धड़कता है।ओटीटी और सिनेमा में आए बदलाव पर अभिनेत्री ने कहा कि ओटीटी पर जितने भी किरदार एक्सपेरिमेंटल मिलते हैं, वो राइटर की बदौलत मिलते हैं, क्योंकि वो वैसे किरदारों को लिखते हैं, हमें बस सही किरदार का चुनाव करना होता है, लेकिन मेन स्ट्रीम सिनेमा में महिलाओं के लिए उतने अच्छे और एक्सपेरिमेंटल रोल नहीं मिल पा रहे हैं, जितने ओटीटी पर मिल रहे हैं, लेकिन उम्मीद है कि मेन स्ट्रीम सिनेमा में यह बदलाव भी जल्द से जल्द आएगा।पंजाबी अभिनेता मानव विज भी महोत्सव का हिस्सा बने और उनकी फिल्म मां जाए की स्पेशल स्क्रीनिंग भी रखी गई। मीडिया से बात करते हुए अभिनेता ने बताया कि यह फिल्म उनके लिए बहुत खास है और किरदार को जीवंत करने के लिए उन्होंने पूरी जान लगा दी थी। मुझे पता था कि फिल्म अच्छी साबित होगी, लेकिन यह नहीं पता था कि फिल्म को इतना सम्मान भी मिलेगा।अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव दिल्ली को जरूरी बताते हुए अभिनेता ने कहा, इसी महोत्सव की वजह से अच्छा सिनेमा सामने आ पाता है और दूसरों को भी अच्छी फिल्म बनाने की प्रेरणा मिलती है। आप किसी चीज की बेहतरी तभी कर सकते हैं, जब उसे बेहतर मंच मिलेगा।

अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर की पैन इंडिया एक्शन रोमांटिक थ्रिलर फिल्म डकैत का दूसरा सिंगल चिचुबुड्डी रिलीज

अदिवि शेष की आने वाली पैन-इंडिया एक्शन रोमांटिक थ्रिलर फिल्म डकैत 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली है, और मेकर्स ने फिल्म का दूसरा गाना चिच्चुबुड्डी रिलीज कर दिया है। यह जोरदार गाना शेष का एक नया अंदाज दिखाता है, जिसमें वे पहली बार स्क्रीन पर डांस करते नजर आ रहे हैं।चिच्चुबुड्डी एक जोरदार पार्टी नंबर है, जिसमें लोक संगीत की लय और जोशीली धुनें हैं; इसे भीम सिसिरोलियो ने कंपोज किया है। इस गाने में जोनिता गांध ी की दमदार आवाज और पवन सिंह की खास मौजूदगी है, जो इसकी लोकप्रियता को और बढ़ाती है।इसके विजुअल्स भी उतने ही शानदार हैं, जिसमें एक भीड़-भाड़ वाले सेट पर शेष और गांधी की जबरदस्त केमिस्ट्री देखने को मिलती है। भास्करभटला रविकुमार के चुलबुले बोल गाने की जवानी वाली ऊर्जा को और निखारते हैं। राम मिरियाला का योगदान इस गाने के असर को और भी गहरा बनाता है।डकैत सिर्फ एक एक्शन ड्रामा से कहीं ज्यादा होने का वादा करती है, जिसमें प्यार, धोखे और गुस्से जैसे विषय शामिल हैं। फिल्म की कहानी में रंग-बिरंगे त्योहारों का भी मेल है, जो इसे एक अनोखा सिनेमाई अनुभव बनाता है। शानिएल देव के निर्देशन में बनी इस पहली फिल्म में शेष के साथ मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिका में हैं। सुप्रिया यारलागड्डा द्वारा निर्मित और सुनील नारंग द्वारा सह-निर्मित, डकैत को अन्नपूर्णा स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत किया गया है।

कालिदास 2 का बढ़ा रोमांच, अबरनाथी का किरदार होगा फिल्म के रहस्य की चाबी

साउथ सिनेमा में इन दिनों थ्रिलर फिल्मों का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है और दर्शक ऐसी कहानियों को खास पसंद कर रहे हैं, जिनमें सस्पेंस, क्राइम और रहस्य का तड़का हो। ऐसे में कालिदास 2 को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इस कड़ी में फिल्म निर्माताओं ने अभिनेत्री अबरनाथी का फर्स्ट लुक जारी किया है।इस फिल्म में अबरनाथी संजी नाम की महिला का अहम किरदार निभा रही हैं। पोस्टर में उनका लुक रहस्यमय नजर आ रहा है। मेकर्स का कहना है कि उनका किरदार फिल्म की मिस्ट्री को सुलझाने में बड़ी भूमिका निभाएगा। फिल्म के प्रोड्यूसर फाइव स्टार के सेंथिल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फर्स्ट लुक का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, संजी ही इस रहस्य की चाबी है।फिल्म 3 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है और अब इसके रिलीज में केवल कुछ ही दिन बाकी हैं। रिलीज से पहले मेकर्स फिल्म के किरदारों को धीरे-ध ीरे सामने ला रहे हैं। कुछ दिन पहले अभिनेता किशोर का फर्स्ट लुक सामने आया था। इस फिल्म में वह पांड्या नाम के किरदार में नजर आएंगे। पोस्टर में उनका लुक काफी खतरनाक और रहस्यमयी दिखाया गया है।मेकर्स ने उनके किरदार को रॉ, रफ और अनप्रिडिक्टेबल करार जिया। यह फिल्म सालों पहले आई सुपरहिट फिल्म कालीदास का दूसरा पार्ट है। इसे के.सेंथिल और डॉ. एन योगेश्वरन ने प्रोड्यूस किया है। खास बात यह है कि इस फिल्म को भी सेंथिल ने ही लिखा और डायरेक्ट किया है, जिन्होंने पहले पार्ट को भी बनाया था।ऐसे में दर्शकों को उम्मीद है कि यह फिल्म भी उतनी ही दमदार होगी। फिल्म में भरत और अजय कार्थी लीड रोल में नजर आएंगे। इसके अलावा, भवानी श्री, संगीता और टीएम कार्तिक समेत कई कलाकार भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। संगीता लंबे समय बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं, जो दर्शकों के लिए एक अलग ही रोमांच लाएगा।

हिन्दी दैनिक जोखिम

राष्ट्रपति पुलिस कलर से सम्मानित हुई उत्तराखंड पुलिस, देश के चुनिंदा राज्यों में शामिल

- यह सम्मान नहीं, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण की राष्ट्रीय पहचान : सीएम धामी

- सीएम ने पुलिस महानिदेशक सहित सभी पुलिस कार्मिको को दी बधाई

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड पुलिस को "राष्ट्रपति पुलिस कलर" से अलंकृत किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे राज्य के इतिहास का "स्वर्णिम और गौरवपूर्ण अध्याय" बताया है। सीएम कहा कि उत्तराखंड के लिए यह क्षण केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि गौरव, परंपरा और अदम्य सेवा भावना का जीवंत प्रमाण बनकर सामने आया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में भेंट कर पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने यह जानकारी दी मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मान उत्तराखंड पुलिस को देश के उन चुनिंदा पुलिस बलों की श्रेणी में स्थापित करता है, जिन्हें उनकी विशिष्ट और उत्कृष्ट सेवाओं के लिए यह सर्वोच्च राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त हुई है। उन्होंने पुलिस महानिदेशक सहित सभी अधिकारियों और जवानों को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि के लिए भारत के माननीय राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व और सतत मार्गदर्शन ने उत्तराखंड पुलिस को इस उच्च सम्मान तक पहुँचाया है। यह उपलब्धि न केवल पुलिस बल की प्रतिष्ठा को बढ़ाती है, बल्कि पूरे उत्तराखंड को राष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों तक ले जाने का कार्य करती है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि किया कि यह सम्मान केवल एक अलंकरण नहीं, बल्कि वर्षों की वीरता, अनुशासन, उत्कृष्ट सेवा, पेशेवर दक्षता और राष्ट्र के प्रति समर्पण की मान्यता है। यह पुरस्कार एक कठोर और बहु-स्तरीय मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद दिया जाता है, जिसमें पुलिस बल के हर आयामख़ कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण,

आंतरिक सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, जनसुरक्षा और तकनीकी नवाचारख़ का गहन परीक्षण किया जाता है। यह सम्मान पुलिस बल के ध्वज और वर्दी पर अंकित होकर उसके गौरव, अस्मिता और परंपरा का स्थायी प्रतीक बन जाता है, साथ ही हर पुलिसकर्मी के लिए प्रेरणा और जिम्मेदारी का स्रोत भी है।मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि उत्तराखंड की दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और सीमित संसाधनों के बावजूद पुलिस बल ने कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखते हुए अपराध नियंत्रण में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। आधुनिक तकनीक और स्मार्ट पुलिसिंग के माध्यम से जनता का विश्वास जीतना इस उपलब्धि का प्रमुख आधार रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड पुलिस की भूमिका आपदा प्रबंधन में विशेष रूप से सराहनीय रही है। वर्ष 2013 की केदारनाथ आपदा सहित विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं में पुलिस बल ने अद्भुत साहस, त्वरित कार्रवाई और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए हजारों लोगों के जीवन की रक्षा की। इसके साथ ही महाकुंभ, चारधाम यात्रा और कांवड़ यात्रा जैसे विशाल आयोजनों में सुरक्षा, यातायात और भीड़ प्रबंधन का उत्कृष्ट संचालन पुलिस की दक्षता का प्रमाण है।मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सुरक्षा, साइबर अपराध नियंत्रण, पर्यटन सुरक्षा और सामुदायिक पुलिसिंग जैसे क्षेत्रों में उत्तराखंड पुलिस ने तकनीकी सशक्तिकरण और जनसहभागिता के माध्यम से एक ऐसा मॉडल विकसित किया है, जो अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य स्थापना के "रजत जयंती वर्ष" में यह सम्मान मिलना इस उपलब्धि को और भी अधिक विशेष और ऐतिहासिक बनाता है। यह उत्तराखंड की 25 वर्षों की विकास यात्रा, सेवा और समर्पण का प्रतीक है।मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि उत्तराखंड पुलिस "मित्रता, सेवा, सुरक्षा" के अपने ध्येय वाक्य के साथ आगे भी राष्ट्र और राज्य की सेवा में निरंतर अग्रसर रहेगी। राज्य सरकार पुलिस बल के आधुनिकीकरण और कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, ताकि वैश्विक मानकों की स्मार्ट पुलिसिंग स्थापित की जा सके।पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने इस उपलब्धि को उत्तराखंड पुलिस के इतिहास का "स्वर्णिम अध्याय" बताते हुए कहा कि यह सम्मान प्रत्येक अधिकारी और जवान के समर्पण, साहस और कर्तव्यनिष्ठा के साथ-साथ पुलिस परिवारों के त्याग और सहयोग का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह उपलब्धि भविष्य में उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करने के लिए प्रेरित करेगी। उत्तराखंड पुलिस अब इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के साथ राष्ट्र एवं राज्य की सेवा और सुरक्षा में और अधिक दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ेगी।

संक्षिप्त समाचार...

हनुमान जयंती पर बजरंग दल की भव्य दोपहिया वाहन रैली

देहरादून(संवाददाता)। हनुमान जयंती के पावन अवसर पर बजरंग दल द्वारा देहरादून में भव्य दोपहिया वाहन रैली का आयोजन किया गया। रैली में पछवादून (जिला विकासनगर) से भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली में शेखर बंसल के नेतृत्व में विकासनगर से कार्यकर्ता शामिल हुए। विभिन्न स्थानों से कार्यकर्ता सेलाकुई के जोशी मैदान और मिलन चौक पर एकत्रित हुए, जहां से जोशीले नारों सियावर रामचंद्र की जय, जयकारे वीर बजरंगी, हर हर महादेव और जय गौमाता के साथ रैली आगे बढ़ी। सेलाकुई मुख्य बाजार में रैली का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया, जिससे कार्यकर्ताओं का उत्साह और बढ़ गया। इसके बाद रैली देहरादून के कांवली रोड के लिए प्रस्थान कर गई।

4 से 12 अप्रैल तक परेड ग्राउंड में सजेगा किताबों का मेला

देहरादून(संवाददाता)। शहर में एक बार फिर साहित्य, कला और संस्कृति के संगम देखने को मिलेगा। शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की ओर से आयोजित श्दून पुस्तक महोत्सव 2026श का भव्य आयोजन 4 से 12 अप्रैल तक परेड ग्राउंड में किया जाएगा। इस नौ दिवसीय महोत्सव का विधिवत शुभारंभ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी करेंगे। गुरुवार को दून में पत्रकारों से बातचीत में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास भारत के निदेशक युवराज मलिक ने बताया कि महोत्सव के दौरान आचार्य बालकृष्ण, एनबीटी के अध्यक्ष प्रो. मिलिंद सुधाकर आदि मौजूद रहे। इस बार श्दून साहित्य उत्सवश में इम्तियाज अली, आचार्य प्रशांत, नितिन सेठ और लेफ्टिनेंट जनरल सतीश दुआ जैसी हस्तियां विभिन्न सत्रों में पाठकों से रूबरू होंगी।

डिजिटल क्रॉप सर्वे के विरोध में गूंजा देहरादून, कर्मचारियों ने किया सचिवालय कूच

देहरादून(संवाददाता)। डिजिटल क्रॉप सर्वे और फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में संसाधनों की कमी और शासन के बढ़ते दबाव के विरोध में आज राजधानी की सड़कों पर भारी संख्या में फील्ड कर्मचारी उतरे। कृषि, उद्यान, गन्ना एवं राजस्व विभाग की समन्वय समिति के बैनर तले आयोजित इस श्सचिवालय कूच में पांच प्रमुख मान्यता प्राप्त संगठनों ने अपनी आवाज बुलंद की। समन्वय समिति का आरोप है कि राजस्व परिषद की कार्ययोजना के अनुरूप धरातल पर फार्मर रजिस्ट्री के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। इसके बावजूद, वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर जनपद स्तर के अधिकारियों द्वारा कर्मियों पर अत्यधिक दबाव बनाया जा रहा है। समिति ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि कुछ जनपदों में प्रतिकूल प्रविष्टि देने और वेतन रोकने जैसे दंडात्मक निर्देश जारी किए गए हैं, जो पूरी तरह से अनुचित और वार्ता में बनी सहमति के विपरीत हैं।

ऋषिकेश महायोजना-2031: अव्यवस्थित विकास से सुनियोजित भविष्य की ओर बड़ा कदम

- मुख्यमंत्री धामी के निर्देशों पर सचिवालय में मंथन, तपोवन क्षेत्र की चुनौतियों के समाधान पर खास जोर

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा-निर्देशों के तहत ऋषिकेश महायोजनाख़2031 को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इसी क्रम में सचिव आवास डॉ. आर राजेश कुमार की अध्यक्षता में राज्य सचिवालय में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में तीन जनपदोंख़टिहरी, पौड़ी और देहरादूनख़से जुड़े अधिकारियों ने भाग लिया। सरकार का उद्देश्य इस महायोजना के माध्यम से ऋषिकेश को एक सुनियोजित, व्यवस्थित और आधुनिक शहर के रूप में विकसित करना है, जहां पर्यटन और शहरी विकास में संतुलन बना रहे।तपोवन बना चर्चा का केंद्र, अवैध निर्माण बड़ी चुनौती: बैठक के दौरान सबसे अधिक फोकस तपोवन क्षेत्र पर रहा, जो टिहरी विकास प्राधिकरण के अधीन आता है। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2011 की पूर्व महायोजना के बाद इस क्षेत्र में अनियोजित और अवैध निर्माण तेजी से बढ़े हैं। होटल, गेस्ट हाउस और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के अनियंत्रित विस्तार ने न केवल क्षेत्र की भौगोलिक संरचना को प्रभावित किया है, बल्कि यातायात, पार्किंग और सीवरेज जैसी मूलभूत सुविधाओं पर भी दबाव बढ़ाया है। इसके चलते स्थानीय लोगों और पर्यटकों दोनों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।महायोजनाख़2031 में समाधान का रोडमैप तैयार : मुख्य नगर एवं ग्राम नियोजक द्वारा प्रस्तुत किए गए प्लान में इन समस्याओं के समाधान के लिए कई अहम प्रावधान शामिल किए गए हैं। जिन क्षेत्रों में पहले से होटल और व्यावसायिक गतिविधियां विकसित हो चुकी हैं, उन्हें 'पर्यटन उपयोग क्षेत्र' के रूप में चिन्हित किया गया है। इससे न केवल मौजूदा ढांचे को वैधता और संरचना मिलेगी, बल्कि पर्यटन को भी व्यवस्थित तरीके से बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, भविष्य में अनियोजित निर्माण पर रोक लगाने के लिए सख्त नियामक प्रावधान भी जोड़े गए हैं।

जनसुनवाई के बाद संशोधन, अब अंतिम चरण में योजना : अधिकारियों ने जानकारी दी कि महायोजना को पहले संबंधित प्राधिकरण बोर्डों से अनुमोदन मिल चुका है और इसके बाद इसे जनसुनवाई एवं प्रदर्शनी की प्रक्रिया से भी गुजारा गया। जनसुझावों के आधार पर इसमें संशोधन किए गए और फिर इसे शासन स्तर पर भेजा गया। शासन द्वारा पुनर्विचार के बाद इसे एक बार फिर संबंधित बोर्डों को भेजा गया, जहां से इसे अनुमन्य कर दिया गया है। अब योजना अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी है।तीन जिलों का समन्वय, 15 दिन में सुझाव होंगे एकत्र : ऋषिकेश महायोजनाख़2031 तीन जनपदों में फैली हुई हैख़टिहरी, पौड़ी और देहरादून।

स्वामी, प्रकाशक एवम मुद्रक संजीव पंत द्वारा 19.सी, सुभाष रोड, पैसेफिक होटल के पीछे डूंगा हाउस देहरादून से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन्स डी-2, शिवलोक कालोनी लाडपुर, ब्लॉक रायपुर काली मन्दिर के पास, देहरादून से मुद्रित। सम्पादक - संजीव पंत , फोन नं0- 0135-2712118 , प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/33537 email: jokhimdehradun2006@gmail.com